भोपाल | रविवार | 31 मई 2026 | वर्ष 70 | अंक 127 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00
navabharat.com twitter.com/Nava_Bharat fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

2 देश की सुरक्षा के लिए अपनाना होगा सख्त रवैया

4 कर्म : मानव जीवन का शाश्वत आधार

10 नौतपा का भारतीय ज्योतिष में महत्व

11 बांग्लादेश,भारत को दे रहा है कूटनीतिक धोखा

एक नजर में

कमज़ोर हो रही है अंतरराष्ट्रीय नियमों पर आधारित व्यवस्था : लाम

सिंगापुर. वियतनाम के राष्ट्रपति एवं सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव तो लाम ने अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था के क्षरण को लेकर अप्रत्यक्ष चेतावनी देते हुए कहा कि दुनिया बढ़ते 'विश्वास संकट' और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के चयनात्मक अनुपालन के कारण गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है. शांग्री-ला डायलॉग 2026 के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण देते हुए तो लाम ने राष्ट्रों से आग्रह किया कि वे केवल संकट प्रबंधन तक सीमित न रहें, बल्कि एक ऐसे विश्व में शांति, स्थिरता और विकास को सक्रिय रूप से आकार दें जो गहरे परिवर्तनों से गुजर रहा है.

हमले की साजिश बेनकाब

दिल्ली-मुंबई में बड़े हमले की थी साजिश, 9 गिरफ्तार

- परमाणु केंद्र और एयरपोर्ट थे निशाने पर
- आईएसआई और दाऊद से जुड़े नेटवर्क का भंडाफोड़

नई दिल्ली, 30 मई. राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित खतरे के बीच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है.

अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए नौ संदिग्ध देश के विभिन्न हिस्सों में समन्वित हमलों की योजना बना रहे थे. जांच एजेंसियों का कहना है कि इनके तार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और भगोड़े अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम के नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका है.

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दिल्ली, मुंबई और पंजाब के निवासी शामिल हैं जबकि कुछ विदेशी नागरिक भी बताए जा रहे हैं. छापेमारी के दौरान उनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया. शुरुआती जांच में यह जानकारी सामने आई है कि उन्हें महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठानों और सुरक्षा बलों को निशाना बनाने का जिम्मा सौंपा गया था.

सूत्रों के अनुसार, संभावित लक्ष्यों में परमाणु प्रतिष्ठान, हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन और बिजली संयंत्र जैसे संवेदनशील स्थान शामिल थे. हालांकि सुरक्षा एजेंसियों ने आधिकारिक तौर पर सभी लक्ष्यों की पुष्टि नहीं की है, लेकिन जांच का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है. अधिकारियों का कहना है कि यह मॉड्यूल काफी समय से निगरानी में था और पर्याप्त सबूत मिलने के बाद कार्रवाई की गई.

> इस घटनाक्रम के बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है. हाल ही में प्राप्त खुफिया सूचनाओं में भीड़भाड़ वाले इलाकों, महत्वपूर्ण कार्यालयों और सार्वजनिक स्थलों को निशाना बनाए जाने की आशंका जताई गई थी. इसी कारण पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाया गया है. अब जांच एजेंसियां संदिग्धों के विदेशी संपर्कों, फंडिंग नेटवर्क, डिजिटल संचार और संभावित हैंडलरों की भूमिका की गहन जांच कर रही हैं. अधिकारियों का मानना है कि इस कार्रवाई से एक बड़ी साजिश को समय रहते विफल किया गया है.

AMITY UNIVERSITY GWALIOR

Life Sciences
Discover. Design. Develop.

- 300+ Top recruiters in last years include Jubilant FoodWorks, Mantra Labs, Zydus, Biogen, Ecolab, Intas Pharma...
- 5 Centres of Excellence in Nano-biotech & Alternative Medicine, Environmental Conservation & Biodiversity, Nuclear Mitigation, Smart City...
- 75+ Hi-tech labs with state-of-the-art equipment
- Faculty credited with 186 patents, 151 books & 507 chapters and 1,636 Scopus indexed research publications
- University Scopus H-index of 50 reflecting cutting-edge research outcomes
- 18 Research projects undertaken including those funded by CSIR, ICMR, DST, BRNS...
- 20 Student start-ups incubated at on-campus innovation incubator
- Student innovations include Bio-Integrated Microbial Energy System, Immobilisation and Degradation of Antibiotics from water using Green Nanoadsorbent...
- University ranked #1 in Madhya Pradesh (Pvt) - QS Southern Asia '26

To apply visit:
amity.edu/gwalior
by: 5th June 2026
7303-872-872

Maharajpura, Gwalior (Opp. Airport)
E: admissions@gwa.amity.edu

Biotechnology
- B.Tech- Biotechnology
- B.Sc- Biotechnology#
- B.Sc- Biology#
- B.Sc+M.Sc- Biotechnology (Dual Degree)
- M.Tech- Biotechnology
- M.Sc- Biotechnology

Pharmacy
- B.Pharm
- M.Pharm- Pharmaceutics
- M.Pharm- Pharmacology

All Pharmacy progs approved by PCI
#(Hons/Hons with Research)
Lateral Entry & Ph.D progs also offered

Scholarships*	100%	50%	25%
UG Programmes			
12th (agg.)	93%	88%	70%
PG Programmes (Non-MBA)			
12th (agg.)	93%	88%	-
Graduation (agg.)	80%	75%	-
MBA			
CAT/MAT (%ile)	90	85	75
GMAT/GRE (Score)	650/161	600/157	450/149

*Offered in 56+ progs across various disciplines

घुसपैठियों को मिलकर बाहर निकालें

जनसांख्यिकी बदलाव की सख्त निगरानी करें कलेक्टर-एसपी : शाह

नई दिल्ली 30 मई. केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत-पाकिस्तान सीमा से लगे गुजरात के भुज में शनिवार को सीमावर्ती एवं तटीय जिलों से जुड़े सुरक्षा संबंधी विषयों पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की जिसमें राज्य सरकार , विशेष रूप से जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक की सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका पर बल दिया गया.

श्री शाह ने बैठक में कहा कि सीमा पर बाड़ लगाने, समुद्री सीमा सुरक्षा और राज्य सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति से गुजरात के सुरक्षा परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया है और राज्य में घुसपैठ तथा सीमा पर तस्करी पूरी तरह बंद हो गई है. उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के 15 किलोमीटर क्षेत्र में हर अनधिकृत अतिक्रमण के प्रति जीरो टॉलरेंस अप्रोच रखकर उसे समाप्त किया जाए. उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में कट्टरपंथ के केंद्रों पर पैनी नजर रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया. गृह मंत्री ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में जिला मजिस्ट्रेट को जनसांख्यिकी परिवर्तन की सख्त निगरानी एवं नियमित रिपोर्टिंग करनी चाहिए. उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों के आने के कारण हो रहा रिवर्स माइग्रेशन स्वागतयोग्य है. उन्होंने कहा कि पहले से बसे घुसपैठियों को वापस भेजने के कार्य में पुलिस स्टेशन से लेकर पटवारी तक, सब एकजुट होकर आगे आएं.

जिले में सुरक्षा समन्वय समूह बनाए जाएं

शाह ने कहा कि हर सीमावर्ती जिले की चुनौतियों और जरूरतों के आधार पर स्थानीय प्रशासन मानक प्रक्रिया तैयार करे, जिसमें पहले से बसे घुसपैठियों, ड्रोन और नार्को की पहचान करना सुनिश्चित हो. श्री शाह ने कहा कि हर जिले में सुरक्षा समन्वय समूह बनाए जाएं, जिसमें बीएसएफ, तटरक्षक बल, आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय और प्रमुख बैंकों के मैनेजर को शामिल किया जाए. उन्होंने कहा कि आयकर, धन शोधन और कस्टम कानूनों के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक और पुलिस महानिरीक्षक बॉर्डर रेंज की होनी चाहिए.

दक्षिण परगना के सोनारपुर में अभिषेक बनर्जी पर हमला

कोलकाता, 30 मई. पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के संवेदनशील माने जाने वाले सोनारपुर क्षेत्र में शनिवार शाम उस समय तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई, जब तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी कथित चुनावी हिंसा में घायल पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने पहुंचे. दौरे के दौरान बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विरोध के दौरान स्थिति अचानक बिगड़ गई और धक्का-मुक्की शुरू हो गई. आरोप है कि कुछ लोगों ने अभिषेक बनर्जी पर अंडे फेंके और उनकी शर्ट फाड़ दी. सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत उन्हें भीड़ से निकालने की कोशिश की. बढ़ते तनाव को देखते हुए उन्हें हेलमेट पहनाकर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया गया. घटना के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. हमले के बाद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि यह सुनियोजित हमला था और कुछ लोग उन्हें शारीरिक नुकसान पहुंचाना चाहते थे. उन्होंने कहा कि मौके पर पर्याप्त पुलिस बल मौजूद नहीं था. उनके अनुसार हेलमेट की वजह से उन्हें गंभीर चोट लगने से बचाव मिला. उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे हमलों से उनकी पार्टी और कार्यकर्ता डरने वाले नहीं हैं.

डीके शिवकुमार होंगे नए मुख्यमंत्री

राज्यपाल गहलोत को पेश किया सरकार बनाने का दावा

- रोटेशन फॉर्मूले पर मुहर 3 जून को लेंगे शपथ
- मैंने हाईकमान के सुझाव पर पद छोड़ा : सिद्धारमैया

बेंगलुरु, 30 मई. कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया तेज हो गई है। कांग्रेस विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद डीके शिवकुमार ने शनिवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात कर सरकार बनाने का औपचारिक दावा पेश कर दिया। इसके साथ ही राज्य में नई सरकार के गठन का रास्ता लगभग साफ हो गया है।

कांग्रेस नेतृत्व ने शिवकुमार को विधायक दल का नेता चुनकर राज्य की कमान सौंपने का फैसला किया है। डीके शिवकुमार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि उन्हें कांग्रेस विधायक दल का नेता सर्वसम्मति से चुना गया है, जिस पर उन्हें गर्व है। उन्होंने बताया कि इसके बाद उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार गठन का दावा प्रस्तुत किया। राज्यपाल को सौंपे गए पत्र में शिवकुमार ने कांग्रेस विधायकों के समर्थन का उल्लेख करते हुए सरकार बनाने की अनुमति मांगी है। यह घटनाक्रम पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के 28 मई को दिए गए इस्तीफे के बाद सामने आया है। सिद्धारमैया ने कहा था कि उन्होंने पार्टी हाईकमान के सुझाव पर स्वेच्छा से पद छोड़ा है। उनके इस्तीफे के बाद राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया था। हालांकि नई व्यवस्था बनने तक सिद्धारमैया को कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी निभाने को कहा गया है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने डीके शिवकुमार को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित कर दिया है। नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 3 जून को शाम 4.05 बजे बेंगलुरु के लोक भवन में आयोजित किया जाएगा।

डीके सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं

डीके शिवकुमार कर्नाटक कांग्रेस के सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं. वोक्कालिगा समुदाय से आने वाले शिवकुमार को संगठन को मजबूत रखने और राजनीतिक संकटों में पार्टी को संभालने वाले नेता के रूप में देखा जाता है. कई बार विधायकों को टूटने से बचाने और राजनीतिक प्रबंधन में उनकी भूमिका राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रही है। हालांकि उनका राजनीतिक सफर विवादों से भी अछूता नहीं रहा. उनके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं और विभिन्न एजेंसियां कुछ मामलों की जांच कर चुकी हैं. इसके बावजूद कांग्रेस नेतृत्व ने उन पर भरोसा जताते हुए राज्य की कमान सौंपने का फैसला किया है.

दो आईएएस भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबित

पटना, 30 मई. बिहार सरकार ने भ्रष्टाचार के विभिन्न आरोपों के तहत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के दो अधिकारियों अभिलाषा शर्मा और योगेश कुमार सागर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है. सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, विशेष सतर्कता इकाई (एसवीयू) की रिपोर्ट, प्रवर्तन संबंधी अभिलेखों, बयानों तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है. इन साक्ष्यों में कथित रूप से रिश्वत, कमीशन और अनुचित वित्तीय लाभ स्वीकार करने के आरोप सामने आए हैं.

नेतृत्व आदेश से नहीं भरोसे से हासिल होता है : द्विवेदी

12 मित्र देशों के 24 विदेशी कैडेट भी शामिल थे

42 वर्ष पहले द्विवेदी इसी संस्थान से पास आउट हुए थे

पुणे, 30 मई. पुणे के खडकवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में आयोजित 150वें कोर्स की पासिंग आउट परेड के दौरान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सैन्य सोच, रणनीतिक क्षमता और राष्ट्रीय संकल्प का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसने भविष्य के लिए एक नया मानक स्थापित कर दिया है.

नेतृत्व पर बोलते हुए सेना प्रमुख ने कहा कि वास्तविक नेतृत्व पद या अधिकार से नहीं, बल्कि विश्वास से प्राप्त होता है. उन्होंने कैडेटों से कहा कि वे ऐसा नेतृत्व विकसित करें, जिसमें अधीनस्थ सैनिक आदेश के कारण नहीं, बल्कि विश्वास और सम्मान के कारण उनका अनुसरण करें. उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में खतरे हमेशा पारंपरिक युद्ध के रूप में सामने नहीं आते, बल्कि कई बार वे छद्म रूप में और नई तकनीकों के माध्यम से उभरते हैं. ऐसे में सशस्त्र बलों को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना होगा.

> सेना प्रमुख ने कैडेटों को संबोधित करते हुए कहा कि जब राष्ट्रीय इच्छाशक्ति, सटीक रणनीति और दृढ़ संकल्प एक साथ आते हैं, तब भारत किसी भी उकसावे का प्रभावी जवाब देने में सक्षम होता है. इनमें 12 मित्र देशों के 24 विदेशी कैडेट भी शामिल थे. समारोह उनके लिए व्यक्तिगत रूप से भी भावनात्मक रहा, क्योंकि लगभग 42 वर्ष पहले वे स्वयं इसी संस्थान से पास आउट हुए थे.

यूपी-बिहार में आंधी-बारिश से 48 मौतें

- राजस्थान में रेतीला तूफान, दिन में छाया अंधेरा
- कई स्थानों पर दिन में वाहनों की लाइट जलानी पड़ी

जयपुर/ भोपाल/ लखनऊ/ पटना. 30 मई. उत्तर भारत से लेकर कई राज्यों में तेज आंधी, बारिश और धूल भरे तूफान ने जनजीवन को प्रभावित किया, यूपी और बिहार में 48 लोगों की मौत की खबर है.

उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम संबंधी घटनाओं में 31 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। कई जिलों में तेज हवाओं के कारण पेड़ गिरने, दीवार ढहने और जलभराव जैसी घटनाएं सामने आई हैं। सहारनपुर में भारी बारिश के बाद पानी के तेज बहाव से कई वाहन बह गए, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। राज्य प्रशासन ने सभी जिलों में अलर्ट जारी कर लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। बिहार में भी मौसम की मार ने 17 लोगों की जान ले ली. राज्य के कई हिस्सों में आंधी और बिजली गिरने की घटनाएं हुईं। राजधानी पटना में खराब मौसम के कारण हवाई सेवाएं प्रभावित हुईं और कई उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा. इससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा. राजस्थान के श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर जैसे जिलों में आए धूल भरे तूफान ने दृश्यता लगभग शून्य कर दी। 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं ने पेड़, बिजली के खंभे और कई ढांचे गिरा दिए। कई स्थानों पर लोगों को दिन में ही वाहनों की लाइट जलाकर यात्रा करनी पड़ी.

संवाद दाल-रोटी के साथ ड्राइवरों का दर्द सुनते दिखे पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष, ऑटो चालकों के मुद्दे संसद में उठाऊंगा

ऑटो चालकों के बीच पहुंचे राहुल

नई दिल्ली, 30 मई. कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के प्रमुख चेहरों में शामिल राहुल गांधी ने दिल्ली में ऑटो रिक्शा चालकों के साथ समय बिताकर एक बार फिर आम लोगों से सीधे संवाद की अपनी राजनीति को सामने रखा.

बंगाली मार्केट स्थित टोडरमल पार्क में आयोजित इस अनौपचारिक मुलाकात में राहुल गांधी ने ऑटो चालकों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके साथ सादा भोजन किया. कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने ऑटो चालकों की यूनिफॉर्म भी पहनी, जिससे माहौल और अधिक आत्मीय हो गया. उन्होंने जमीन पर बैठकर दाल, रोटी और सब्जी का भोजन किया तथा चालकों से उनकी आय, बढ़ती लागत, ईंधन कीमतों और परिवार के खर्चों के बारे में चर्चा की. बातचीत में शामिल कई ड्राइवरों ने बताया कि महंगाई और कम होते काम के कारण घर चलाना पहले की तुलना में कहीं अधिक कठिन हो गया है. ऑटो चालक रमेश प्रसाद ने राहुल गांधी को बताया कि बाजार में मंदी के कारण पहले जितनी सवारी नहीं मिल रही है. इससे रोज की आय प्रभावित हो रही है और परिवार की जरूरतें पूरी करना चुनौतीपूर्ण बन गया है. राहुल गांधी ने उनके बच्चों की पढ़ाई और घरेलू खर्चों के बारे में भी जानकारी ली और उनकी परेशानियों को गंभीरता से सुना. एक अन्य चालक अरिंदर कुमार शाह ने बढ़ती गैस और जरूरी वस्तुओं की कीमतों का मुद्दा उठाया.

> **दावे विश्वगुरु के, मगर देश में एक परीक्षा नहीं करवा सकते**
>
> लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को नरेंद्र मोदी सरकार को प्रमुख राष्ट्रीय परीक्षाओं के आयोजन में बार-बार होने वाली विफलताओं के लिए जिम्मेदार ठहराया और देश की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने का आरोप लगाया।सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में गांधी ने नीट, सीबीएसई, एसएससी और सीयूईटी से जुड़े हालिया विवादों को एक साथ जोड़ते आरोप लगाते हुए कहा कि चार परीक्षाएँ. एक करोड़ बच्चे. एक भी ईमानदारी से नहीं हो पाई. उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, दावे विश्वगुरु के, मगर देश में एक परीक्षा नहीं करवा सकते. गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था तबाह कर दी है.